Code No.: MFVVG-15

Total No. of Questions : 4 Total No. of Printed Pages : 2

स्नातकोत्तरपरीक्षाः– २०१५

एम्.ए. – विद्वदुत्तमा – प्रथमवर्षम्

शास्त्रम् – विशिष्टाद्वैतवेदान्तशास्त्रम्

भागः – २, पत्रिका – ५

विषयः – स्वशास्त्रेतिहासः

दिनाङ्कः – 30-3-2015 **गरिष्ठाङ्काः – ८०**

समयः – 10.00 A.M. to 1.00 P.M. Max. Marks – 80

I. एकेन वाक्येन उत्तरं लिखत। **10 × 1 = 10**

१. कीदृशं तत्त्वं अङ्गीकृतम्?

२. कः परब्रह्मशब्दवाच्यः?

३. कयोः मोक्षोपायत्वम्?

४. पुरुषार्थः कः?

५. कः नाथमुने पौत्रः?

६. रामानुजाचार्यैः कति ग्रन्थाः विरचिताः?

७. श्रुतप्रकाशिकायाः कर्ता कः?

८. के उपनिषद्भाष्यकाराः?

९. किं नाम प्रमेयं?

१०. प्रकारप्रकारिणोः भेदेऽपि कथं एकलव्यपदेशः?

II. वाक्यद्वयेन उत्तरयत। **5 × 2 = 10**

१. विशिष्टाद्वैतम्।

२. उभयवेदान्तः।

३. शरीरात्मभावः।

४. शरीरलक्षणम्।

५. तत्वत्रयम्।

Code No.: MFVVG-15

III. पश्नानां उत्तरं लिखत। **5 × 6 = 30**

१. कालस्वरूपम्

२. नित्यविभूतिः।

३. बोधायनः।

४. द्रमिडाचार्यः

५. नाथमुनयः।

६. यामुनमुनयः।

७. आत्मसिद्धिः।

८. ईश्वरसिद्धिः।

९. संवित्सिद्धिः।

१०. गीतार्थसङ्ग्रहः।

IV. द्वयोरेव समाधानं लिखत। **2 × 15 = 30**

१. "यथार्थं सर्वविज्ञानं इति वेदविदां मतं" – समर्थयत।

२. सृष्टिप्रक्रियां विशदयत।

३. ब्रह्मशब्देन कः अभिधीयते इति स्पष्टयत।

४. जीवस्वरूपं प्रपञ्चयत।